[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2581 **L**

Unique Paper Code : 2103200009

Name of the Paper : Text of Indian Philosophy

Name of the Course : **Philosophy (DSE)**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Do any **Five** question.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss the role of environment in human life in view of Pṛthvī Sūkta.
मानव जीवन में पर्यावरण की भूमिका पर पृथ्वीसूक्त के परिदृश्य में चर्चा कीजिए ।

2. Define Dharma in context of truth with examples. Analyse.
धर्म को सत्य के संदर्भ में परिभाषित करते हुए उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए ।

3. Give an account of Upniṣadas and discuss relevance in current scenario.
उपनिषद का विवरण दिजिए ? वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए ।

4. Examine the role of Upniṣada in our ordinary life according to S. Radhakrishnan.
एस. राधाकृष्णन के अनुसार हमारे लौकिक जीवन में उपनिषद की भूमिका का परीक्षण कीजिए ।

P.T.O.

5. What do you understand by consciousness in view of Kenopaniṣada? Give comments.
केनोपनिषद के परिदृश्य में चेतना से आप क्या समझते हैं? तर्क दिजिए ।

6. "Indescribability of Brahman Knowledge" Anayse according to Kenopaniṣada.
"ब्रह्मज्ञान की अनिर्वचनीयता" का केनोपनिषद अनुसार विश्लेषण कीजिए ।

7. 'The nature of self' discuss in detail on the basis of Kenopaniṣada.
'आत्म की प्रकृति' का केनोपनिषद के आधार पर विस्तार से व्याख्या कीजिए ।

8. Write the brief commentaries any of two.
किंही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   I. Theory of Ṛta
   ऋत की सिद्धान्त ।

   II. Transcendental Truth - Upaniṣada.
   पारमार्थिक सत् – उपनिषद ।

   III. Brahman and Soul according to Kenopaniṣada.
   केनोपनिषद के अनुसार– ब्रह्म और आत्मा ।

   IV. Concept of Illusion.
   भ्रम की अवधरणा ।